गणपति विसर्जन गीत

यूं न जाओ छोड़कर,
है गणपति अपना घर,
तुम हो हमारे,
तुम हो हमारे सब कुछ देवा,
तुम को नहीं खबर.....

आये थे तुम खुशियां लेकर,
बरसाया था नूर यहां,
अभी-अभी तो मिलें थे हमसे,
अभी चले तुम दूर कहां....

कहां चले,
कहां चले हो भगवन बोलो,
मुंह हमसे मोड़कर ...

यूं न जाओ छोड़कर,
है गणपति अपना घर,
तुम हो हमारे ,
तुम हो हमारे सब कुछ देवा,
तुम को नहीं खबर....

तुमसे घर में रौनक थी ,
लगता था सब नया-नया,
रोज त्यौहार सा रहता था,
खुशियों का था बंधा समा.....

भर आया,
भर आया दिल तुम जो चले,
हर नाता तोड़कर ...

यूं न जाओ छोड़कर,
है गणपति अपना घर,
तुम हो हमारे,
तुम हो हमारे सब कुछ देवा,
तुम को नहीं खबर.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/28708/title/ganpati-visarjan-geet

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |